भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1296 जिसका उत्तर

शुक्रवार, 6 फ़रवरी, 2026/17 माघ, 1947 (शक) को दिया जाना है

केरल में पत्तन विकास और अंतर्देशीय जलमार्ग

† 1296. श्री कोडिकुन्नील सुरेश:

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) केरल में विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय पत्तन परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है और इसमें चरणबद्ध कितनी प्रगति हुई है और अब तक क्या लक्ष्य प्राप्त किए गए हैं और पूर्ण रूप से आरंभ होने की संशोधित समय-सीमा क्या है;

(ख) विझिंजम पत्तन परियोजना को केंद्रीय सहायता और निवेश का ब्यौरा क्या है और कितना व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण किया गया है और अब तक कितना व्यय किया गया है;

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान राष्ट्रीय जलमार्ग कार्यक्रमों के अंतर्गत केरल में अंतर्देशीय जलमार्गों, विशेषकर वेम्बनाड- कुट्टानाड प्रणाली के विकास के लिए कितनी निधि आवंटित, जारी और उपयोग की गई है;

(घ) ड्रेजिंग, टर्मिनल, नौवहन सहायता और यात्री आवागमन/माल ढुलाई सहित अंतर्देशीय जलमार्ग कार्यों में कितनी वास्तविक प्रगति हुई है और इनके घटक क्या हैं; और

(ङ) केरल में पत्तन-आधारित और अंतर्देशीय जलमार्ग विकास के माध्यम से कार्गो प्रबंधन, यात्री परिवहन, रोजगार सृजन और पर्यावरणीय निरंतरता को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए या उठाए जाने हैं?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): विझिंजम अंतराष्ट्रीय समुद्री पत्तन परियोजना में केरल सरकार (जीओके) और अडानी विझिंजम पत्तन प्राईवेट लिमिटिड (एवीपीपीएल) के मध्य सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत विकसित किया जा रहा है जिसके लिए 17.08.2015 को

रियायत समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। परियोजना का चरण-1, 1 मिलियन बीस-फुट समतुल्य इकाईयों (टीईयू) की वार्षिक संचालन क्षमता के साथ 03.12.2024 को चालू हो गया। केरल सरकार और एवीपीपीएल ने दिनांक 28.11.2024 के अनुपूरक रियायत समझौते के माध्यम से दिसंबर, 2028 तक पूरा होने लक्ष्य के साथ एक ही क्षमता वृद्धि में चरण II, III, और IV को एक साथ लागू करने का निर्णय लिया है। यह इसमें उन्नत स्वचालन और परिचालन दक्षता के माध्यम से 5.7 मिलियन टीईयू प्रति वर्ष तक संभालने की क्षमता के साथ प्रतिवर्ष 3 मिलियन टीईयू तक की क्षमता बढ़ाएगा।

(ख): विझिंजम अंतराष्ट्रीय समुद्री पत्तन परियोजना के लिए वित्तपोषण में व्यवहार्यता अंतर (वीजीएफ) सहित केन्द्रिय सहायता और निवेश का विवरण एवं अब तक किए गए व्यय का विवरण निम्नानुसार है:

(i) भारत सरकार द्वारा वित्तपोषण में व्यवहार्यता अंतर: 817.80 करोड़ रु.- 100% व्यय किया गया

(ii) भारत सरकार द्वारा पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना:

- वित्त वर्ष 2023-24: 145.07 करोड़ रुपये – 100% व्यय किया गया
- वित्त वर्ष 2024-25: 1,134.52 करोड़ रुपये – 1134.46 करोड़ रुपये व्यय किया गया
- वित्त वर्ष 2025-26: 341.30 करोड़ रुपये स्वीकृत और 225.258 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी की गई और 31.01.2026 तक 184 करोड़ रुपये व्यय किया गया

(ग): पिछले पांच वर्षों के दौरान केरल में वेम्बनाड-कुट्टनाड प्रणाली सहित अंतर्देशीय जलमार्गों के विकास के लिए भारतीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) द्वारा किए गए व्यय का विवरण निम्नानुसार है:

वित्त वर्ष	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
व्यय (₹ करोड़ में)	21.52	10.83	3.82	4.76	15.26

(घ) और (ङ): आईडब्ल्यूएआई ने केरल राज्य में घोषित राष्ट्रीय जलमार्गों अर्थात् (रा.ज.) अर्थात् रा.ज.-3, रा.ज.-8, और रा.ज.-9 में विभिन्न कार्यों के साथ-साथ कार्गो प्रचालन, यात्री आवाजाही और रोजगार सृजन को बढ़ाने के लिए कई उपाय किए है जो निम्नानुसार है:

(i) रा.ज.-3 में श्रिकुन्नापुझा में नौवाहन लॉक सह पुल का पुनर्निमाण (प्रगति: 52%);

(ii) रा.ज.-3 में चावारा में कोवीलथोट्टम में नए सिंगल लेन पुल का निर्माण (प्रगति: 80%);

(iii) रा.ज.-3 में एडापल्लीकोटा - कोल्लम खंड में तट सुरक्षा और कठोर परत को हटाने सहित ड्रेजिंग और चौड़ीकरण कार्य (प्रगति: 15%);

(iv) रा.ज.-3 में आईडब्ल्यूटी टर्मिनलों पर 4 एचडीपीई फ्लोटिंग जेट्टी का निर्माण (प्रगति: 10%) और नए सर्वेक्षण लॉन्च का निर्माण (प्रगति: 20%)

इसके अतिरिक्त, आईडब्ल्यूएआई ने केरल राज्य में अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) को बढावा देने के लिए निम्नालिखित पहलें शुरु की हैं:

(i) कार्गो संचालन के लिए कोट्टापुरम, अलुवा, मराडू, वैकोम, थानीरमुकम, अलाप्पुझा, श्रिकुन्नापुझा, कायमकुलम और कोल्लम में 9 अंतर्देशीय जल परिवहन टर्मिनल (आईडब्ल्यूटी) टर्मिनल सह गोदामों का निर्माण किया है और कोच्चि शहर के यातायात से जाम को दूर करने के लिए रो-रो सेवा के लिए रा.ज.-3 में बोलगट्टी एवं विलिंग्टन द्वीप पर 2 रोल ऑन-रोल ऑफ (रो-रो) टर्मिनल बनाए गए।

(ii) कोच्चि शहर में सड़कों की भीड़ को कम करने के लिए, केरल शिपिंग और इनलैंड नेवीगेशन कॉर्पोरेशन, कोच्चि (केरल सरकार) के माध्यम से कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल), कोच्चि के जरिए 02 रो-रो जलयानों का निर्माण किया गया और रा.ज.-3 में बोलगट्टी और विलिंगटन द्वीप के बीच संचालित किया जा रहा है;

(iii) जलयानों के 24 घंटे सुरक्षित नेविगेशन के लिए रा.ज.-3 (कुल 312), रा.ज.-8 (कुल 15) और रा.ज.-9 (कुल 25) में नेविगेशनल बॉय स्थापित किए गए हैं;

(iv) रा.ज.-3 में रिवर क्रूज पर्यटन के लिए आईडब्ल्यूटी टर्मिनलों (वैकोम, थानीरमुकम, अलाप्पुझा और कायमकुलम) पर 04 एचडीपीई जेट्टियों के निर्माण की योजना बनाई गई है;

(v) कोच्चि वाटर मेट्रो लिमिटेड के माध्यम से अलाप्पुझा और कोल्लम में शहरी जल परिवहन जैसे व्यवहार्यता अध्ययन किए गए हैं।

*****